[This question paper contains 8 printed pages.]

242

Your Roll No. ....

आपका अनुक्रमांक __________

B.A. (Programme) / I **J**

SANSKRIT LANGUAGE – Paper I

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of Students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 60*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 60*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note :– (i) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit **or** *in Hindi* **or** *in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

(ii) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

P.T.O.

टिप्पणी : – (i) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(ii) प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

All *questions are compulsory.*

सभी *प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।*

1. (क) निम्नलिखित में से किसी एक का अनुवाद कीजिए : (2)

Translate any **one** of the following :

(i) गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः ।
आस्वाद्यतोयाः प्रवहन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः ॥[1]

(ii) उद्यमेन हिं सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥[2]

(iii) कीटोऽपि सुमनः सङ्गादारोहति सतां शिरः ।
अश्माऽपि याति देवत्वं महद्भिः सुप्रतिष्ठितः ॥[3]

(ख) किसी एक श्लोक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (4)

Explain with reference to the context any **one** of the following :

(i) विद्या <u>ददाति</u> विनयं विनया<u>द्याति</u> पात्रताम् ।
पात्रत्वाद् धन<u>माप्नोति</u> धनाद्धर्मं ततः सुखम् ।।[4]

(ii) आपत्सु मित्रं जानीयाद् युद्धे शूरं ऋणे शुचिम् ।
भार्यां क्षीणेषु वित्तेषु व्यसनेषु च <u>बान्धवान्</u> ।।[5]

(iii) अत्यन्तविमुखे दैवे व्यर्थे यत्ने च पौरुषे ।
मनस्विनो दरिद्रस्य दनादन्यत् कुतः सुखम् ।।

(ग) निम्नलिखित श्लोक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (4)

Answer the questions on the basis of the following shloka :

को धर्मो ? भूतदया, किं सौख्यं ? नित्यमरोगिता जगति ।
कः स्नेहः ? सद्भावः, किं पाण्डित्यं ? परिच्छेदः ।।

(i) जगति कः धर्म ?

(ii) किं सौख्यम् ?

(iii) कः स्नेहः ?

(iv) किं पाण्डित्यम् ?

P.T.O.

(ii) इन्द्रियार्थाननुभवन् बुद्धिमाँल्लोकपूजितः ।

सम्मतः सर्वभूतानामुच्छ्वसन् को न जीवति ।।

(iii) चतुर्वेदोऽपि दुर्वृत्तः स शूद्रादतिरिच्यते ।

योऽग्निहोत्रपरो दान्तः स ब्राह्मण इति स्मृतः ।।

(ख) किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (4)

Explain with reference to the context any **one** of the following :

(i) प्राणो वै यज्ञियं साम मनो वै यज्ञियं यजुः ।

ऋगैका वृणुते यज्ञं तां यज्ञो नातिवर्तते ।।

(ii) धर्मज्ञः पण्डितो ज्ञेयो नास्तिको मूर्ख उच्यते ।

कामः संसारहेतुश्च हृत्तापो मत्सरः स्मृतः ।।

(iii) अहन्यहनि भूतानि गच्छन्ति हियमालयम् ।

शेषाः स्थावरमिच्छन्ति किमाश्चर्यमतः परम् ।।

(ग) निम्नलिखित श्लोक के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (4)

Answer the questions on the basis of the following shloka :

दाक्ष्यमेकपदं धर्म्यं दानमेकपदं यशः ।

सत्यमेकपदं स्वर्ग्यं शीलमेकपदं सुखम् ।।

(i) किंस्विदेकपदं धर्म्यम् ?

(ii) किंस्विदेकपदं यशः ?

(iii) किंस्विदेकपदं स्वर्ग्यम् ?

(iv) किंस्विदेकपदं सुखम् ?

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **दस** वाक्यों का एक अनुच्छेद लिखिए : (5)

Write **ten** sentences on any **one** of the following :

मम प्रिय कविः, मम प्रियं पुस्तकम्, पर्यावरणम्, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, आदर्शः गुरूः ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

Translate in Sanskrit any **five** of the following :

(i) मैं हमेशा पाठशाला जाता हूँ ।

(ii) देव में ज्ञान है ।

(iii) यज्ञदत्त घर जाता है ।

(iv) पेड़ से फल गिरता है ।

(v) शास्त्र के बिना मनुष्य अन्धा है ।